सामुदायिक भवन हॉस्पिटल, लाखेरी में एक्स-रे एवं सोनोग्राफी सुविधाओं के शुभारंभ समारोह में माननीय अध्यक्ष का संबोधन

राजकीय सामुदायिक भवन, लाखेरी में आकर आज मुझे बड़ा सौभाग्य मिला है। इस हॉस्पिटल में लंबे समय से एक्स-रे और सोनोग्राफी की सेवा की मांग हो रही थी। आज जनता की यह मांग विधायक महोदया ने पूरी की है। इसके लिए मैं उनको बधाई देता हूं। चूंकि ये यहां की बेटी हैं, इसलिए इनका ज्यादा फर्ज बन जाता है कि यहां की सब व्यवस्थाएं ठीक हों।

आने वाले समय के अंदर शीघ्र ही सीवीसी की मशीन भी लग जाएगी, ताकि जो सामुदायिक भवन हॉस्पिटल है, वहां एक छत के नीचे प्रारंभिक रूप से कुछ महत्वपूर्ण जांचें होने के बाद अगर कोई गंभीर रूप से बीमार है, तो हम कोटा के किसी हॉस्पिटल में उसको रिफर कर सकें। कोटा और लाखेरी के बीच की दूरी तकरीबन एक घंटे की है, जो कि बहुत लंबी है। आने वाले समय में लाखेरी से जयपुर के बीच की दूरी भी कम हो जाएगी। अत: लाखेरी एक बीच का स्थान है।

लाखेरी के अंदर मेरी कोशिश होगी कि यहां एक बेहतर तरह की एंबुलेंस सेवा हो, ताकि इमर्जेंसी में यदि किसी व्यक्ति के साथ कोई बात हो जाए, तो उस एंबुलेंस के माध्यम से बूंदी, कोटा या जयपुर ले जाकर कहीं भी उस व्यक्ति का इलाज हो सके। आज इस समारोह के अंदर पूर्व मंत्री श्री बाबूलाल वर्मा जी, प्रधान जी, हमारे जिलाध्यक्ष जी, रामबाबू जी, नैनवा और केशव रायपाटन के प्रधान जी और सभी पदाधिकारीगण उपस्थित हैं।

आने वाले समय के अंदर हर व्यक्ति स्वस्थ रहे, यह हमारी प्राथमिकता है। स्वस्थ रहने के लिए हम सबको सचेत रहने की आवश्यकता है, क्योंकि बीमारियों के आकार में परिवर्तन हो रहे हैं, उनके प्रकार में परिवर्तन हो रहे हैं। नई-नई तरह की बीमारियां आ रही हैं, नए-नए वैरिएंट्स आ रहे हैं। पिछली बार हमने कोरोना के वैरिएंट को देखा है कि किस तरीके से सिर्फ भारत में हीं नहीं बल्कि पूरी दुनिया के अंदर कोरोना के कारण बहुत से लोग जीवित नहीं बच सके। इसलिए, व्यक्ति जीवन में स्वस्थ रहे, यह हमारी पहली प्राथमिकता है।

अच्छी शिक्षा, अच्छा स्वास्थ्य, ये जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं हैं। इस पूरे इलाके के अंदर, इसके सराउंडिंग में 60-70 गांव लगते हैं। इन 70 गांवों के लोग इलाज के लिए यहां आते हैं।

इसलिए 70 गांवों के लोगों के लिए प्रारंभिक रूप से मेडिकल फैसिलिटी ठीक हो और उनकी जांचों के परिणामों में यदि कोई बात आए, तो उनका कोटा, जयपुर या दिल्ली के अंदर इलाज हो सके, यह हमारी प्राथमिकता है।

मैं यह मानकर चलता हूं कि किसी भी व्यक्ति को यदि कोई गंभीर बीमारी हो, तो वह कोटा में हमारे ऑफिस से संपर्क कर सकता है, जयपुर में संपर्क कर सकता है, दिल्ली में संपर्क कर सकता है। आपको किसी भी तरह की कोई भी दिक्कत नहीं आने वाली है। चाहे कोटा में डॉक्टर को दिखाना हो, चाहे जयपुर में डॉक्टर को दिखाना हो या दिल्ली में डॉक्टर को दिखाना हो। हमारी कोशिश होनी चाहिए की प्रारंभिक जांच में ही यदि कोई लक्षण नजर आए, तो हम उस बीमारी का इलाज शुरू कर दें। कई बार गांवों में यह होता है कि किसी व्यक्ति को जब कोई गंभीर बीमारी हो जाती है और जब वह बढ़ जाती है, तब वह व्यक्ति डॉक्टर के पास पहुंचता है। ऐसे में डॉक्टर के सारे प्रयासों के बाद भी बेहतर परिणाम नहीं मिल पाते हैं।

अगर जाँच में कोई प्रारंभिक लक्षण आये और तुरन्त उस बीमारी का इलाज शुरू कर दें तो व्यक्ति लंबे समय तक स्वस्थ रह सकता है और उस बीमारी की रोकथाम भी की जा सकती है। इसलिए प्रारंभिक रूप से ये सीएचसी के हॉस्पिटल अत्यधिक रूप से जाँच के प्रमुख केन्द्र होने चाहिए। अगर इतनी बड़ी जगह पर किसी के पैर में कोई फ्रैक्चर आदि हो जाए तो क्या वह एक्सरे कराने के लिए बूंदी या कोटा जाएगा। मैंने कहा है कि एक्सरे की मशीन तो हर जगह लगा देंगे, लेकिन उसे चलाने के लिए टेक्नीशियन की आवश्यकता है। सोनोग्राफी करने के लिए टेक्नीशियन की आवश्यकता होती है। आजकल हालत यह है कि एक्सरे मशीन है, सोनोग्राफी की व्यवस्था है, लेकिन टेक्नीशियन नहीं है और बिना टेक्नीशियन के, बिना सोनोग्राफी जाँच के परिणाम के आप इलाज नहीं कर सकते हैं। बिना एक्सरे की जाँच देखे कोई इलाज नहीं कर सकता है, इसलिए हॉस्पिटल के अंदर डॉक्टर्स को यह भी ट्रेनिंग देने की आवश्यकता है कि कुछ प्रारंभिक जाँच हम यहाँ कर सकें और अगर हमें ऐसे लक्षण लगें कि इनका इलाज कोटा, जयपुर या दिल्ली में कराना हैं तो आप निश्चिंत रहें, आपके लिए हम बैठे हैं। कभी भी किसी भी वक्त कोई काम पड़े, आप हमें बताएं। हमारी जिम्मेदारी है कि हर व्यक्ति स्वस्थ रहे। मैं पुन: आप सभी को शुभकामनाएं देता हूँ, बधाई देता हूँ।

भीमराज जी संघी और उनकी पत्नी जी ने देहदान देकर एक बड़ा पुण्य का काम किया है। इनके देहदान से कई मेडिकल के स्टूडेंट्स परीक्षण करेंगे और बेहतर डॉक्टर बन पाएंगे। मैं इसके लिए उनको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। अनीता जी ने नेत्रदान किया है, इनकी आँखों से किसी को रोशनी मिलेगी, इससे बड़ा पुण्य का काम नहीं हो सकता है। आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं, बहुत-बहुत बधाई।

———